अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 20/11/2022 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : 1) कुल पाँच प्रश्नोंके उत्तर लिखिये ।
2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्रश्न 1) (अ) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। (15)

1) ''पूरीयाधनाश्री'' इस राग का थाट ---------- है।
2) ''पंजाबी'' यह ताल ---------- मात्राओं है।
3) ख्याल ---------- भाषा का शब्द है।
4) ठुमरी यह ---------- गान प्रकार है।
5) तानपुरे में कुल ---------- तार होते हैं।

(ब) उचित जोडीयाँ बनाइये।

(अ)	(ब)
1) कामोद	1) तबला
2) आडाचौताल	2) ग, नि, नि
3) बहार	3) कल्याण थाट
4) दरबारी कानडा	4) 14 मात्रा
5) अवनध्द वाद्य	5) आसावरी थाट

(क) सही या गलत बताइये।

1) ''बाँसुरी'' यह अवनद्ध वाद्य है।
2) ''मियाँ मल्हार यह कल्याण अंग का राग माना जाता है।
3) ''स्थायी, अंतरा, संचारी और आभोग'' यह धृपद के अंग हैं।

4) राग ''शुद्ध कल्याण'' की जाती ओडव–संपूर्ण है।

5) ''जयजयवंती'' यह खमाज थाट का राग है।

प्रश्न 2) निम्नलिखित किसी एक कलाकार के सांगितिक योगदान (15)
के बारें में लिखें।

1) पं.ओंकारानाथ ठाकूर 2) उ.अल्लाउद्दीन खाँ

3) पं.श्री.ना.रातंजनकर

प्रश्न 3) गणित के आधार पर पं. व्यंकटमखी के 72 मेलों की (15)
रचना की विधि स्पष्ट करें।

प्रश्न 4) 'आधुनिक युवा पिढी का शास्त्रीय संगीत मे योगदान' (15)
इस विषय में अपना विचार विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न.5) शास्त्रीय संगीत मे बंदीश का महत्त्व इसके बारें में विस्तार (15)
से सोदाहरण लिखें।

प्रश्न 6) रागों का समयचक्र और रागों के विभाजन के बारें मे (15)
विस्तार से लिखें।

प्रश्न 7) 'ललित कलाओं मे संगीत का स्थान' इसके बारें मे (15)
विस्तार से लिखें।